लालसोट थाने का हेड कांस्टेबल एवं दलाल रिश्वत लेते गिरफ्तार

दर्ज प्रकरण में सही एवं जल्दी कार्यवाही करने की एवज में रिश्वत मांगी

एसीबी टीम द्वारा रंगे हाथों पकड़े गए हेड कांस्टेबल प्रेमराज (बीच में) एवं दलाल (दाएं साइड) एवं परिवादी (बाई साइड) में बैठे हुए।

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित जवाहरगंज सर्किल पर बुधवार को लालसोट थाने के हेड कांस्टेबल प्रेमराज सिंह सहित एक दलाल को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर दौसा इकाई द्वारा बुधवार को कार्यवाही करते हुये प्रेमराज सिंह हैड कांस्टेबल पुलिस थाना लालसोट एवं एक रेडिमेड गारमेंट्स की दुकान पर कार्य करने वाले दलाल भरत लाल सैनी प्राईवेट व्यक्ति को परिवादी से चार हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

■ **एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी**

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के कार्यवाहक महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की दौसा इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरूद्ध दर्ज प्रकरण में सही एवं जल्दी कार्यवाही करने की एवज में अनुसंधान अधिकारी लालसोट थाने के प्रेमराज सिंह हैड कांस्टेबल द्वारा पांच हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम रावत के निर्देशन में एसीबी की दौसा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा शिकायत का सत्यापन किए जाने के बाद बुधवार को पुलिस निरीक्षक नवल किशोर द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये हेड कांस्टेबल प्रेमराज सिंह पुत्र अतर सिंह जाट निवासी हिंगोटा पुलिस थाना द्वारा परिवादी से चार हजार रूपये की रिश्वत राशि प्राप्त कर अपने परिचित भरत लाल सैनी पुत्र हजारी लाल सैनी निवासी उण्ड की ढ़ाणी डिडवाना तहसील लालसोट को दी। जिस पर दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

गौरतलब है कि आरोपी हैड कांस्टेबल द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से एक हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे। एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

रिश्वत लेते श्रीनगर थाने का हैड कांस्टेबल गिरफ्तार

अजमेर, (कास)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर इकाई की टीम ने बुधवार को कार्यवाही करते हुए अजमेर के श्रीनगर पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल जयपाल सिंह पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हत्थे चढ़ गया, एसीबी की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। हैड कॉन्स्टेबल ने शिकायतकर्ता को उसके खिलाफ दर्ज हुए केस में बंद करने की धमकी देकर 10 हजार की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा था। आरोपी ने पूर्व में ही शिकायतकर्ता से 7 हजार ले लिए थे, उसके आवास और अन्य ठिकानों पर एसीबी की टीमों में छापे मारकर तलाशी ली।

■ **पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हत्थे चढ़ा**

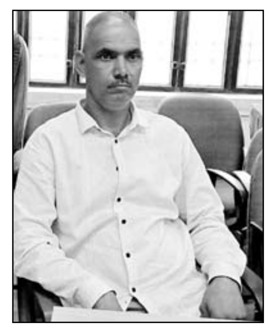

रिश्वतखोर हैड कांस्टेबल।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की अजमेर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरूद्ध दर्ज परिवाद 151 में बंद करने की धमकी देकर हैड कांस्टेबल जयपाल सिंह ने 10 हजार रुपए रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी अजमेर के उपमहानिरीक्षक पुलिस रणधीर सिंह के सुपरवीजन में एसीबी अजमेर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतुल साहू के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। इसके बाद पुलिस निरीक्षक नरेश चौहान ने बुधवार को टीम के साथ ट्रैप की कार्यवाही अंजाम देते हुए हैड कांस्टेबल जयपाल सिंह को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

आरोपी हैड कानिस्टेबल ने शिकायत से पहले ही परिवादी से 5 हजार रुपए रिश्वत के रूप में और शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 2 हजार रुपए रिश्वत के रूप में प्राप्त कर लिए गए थे। एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

बजरी माफिया के खिलाफ आंदोलनरत हनुमान बेनीवाल के खिलाफ उतरे हरीश चौधरी

जयपुर (कासं)। कांग्रेस विधायक और पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने बजरी माफिया के खिलाफ आंदोलन कर रहे आरएलपी प्रमुख और सांसद हनुमान बेनीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि आंदोलन और बवाल करने वाले लोग जनता को मुद्दों से भटका रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर सहमति और असहमति हो सकती है, पर हमेशा तर्क के आधार पर ही बहस करनी चाहिए।

चौधरी उन्होंने बजरी के विषय में बोलते हुए कहा कि राजस्थान में बजरी महंगी मिल रही है। इस विषय को कलिष्ट न करते हुए हमें समाधान की बात करनी चाहिए। 2013 के पहले आम उपभोक्ता बजरी आसानी से ले जा सकता था। रॉयल्टी के ठेके की जगह 2013 में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि बजरी में लीज़ की व्यवस्था लागू होगी, और इस लीज की अवधि पांच साल होगी। खुली बोली हुई और बाड़मेर जिले में 2012-13 में 58 करोड़ 52 लाख की लीज का अधिकार ठेकेदारों को मिला। अब आम उपभोक्ता लीज़धारक से ही बजरी खरीद सकता है। बजरी के दाम के साथ डीएमएफडी, आरएसएमटी, जीएसटी, सीटीओ, सीटीई, सिएसआर और आय कर भी जनता से ही वसूला गया।

■ **हरीश चौधरी बोले, ''आंदोलन और बवाल करने वाले लोग जनता को मुद्दों से भटका रहे हैं''**

■ **उन्होंने आरोप लगाया कि बेनीवाल की मंशा ठेकेदारों की मदद करना, जनता पर अतिरिक्त भार पड़ेगा**

चौधरी ने आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल पर तीखे तेवर में आरोप लगाते हुए सवाल किया कि ये आंदोलन और विवाद किसके हित के लिए कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि अभी जुलाई और अगस्त के महीने में खनन नहीं हो सकता, तो बजरी बेच कौन रहा है ? सिर्फ लीज़धारक को ही इसका अधिकार है। इस व्यवस्था ने लीज़धारकों को एक मोनोपॉली दे दी है, जिसका वो फायदा उठा रहे हैं। बेनीवाल की मंशा सिर्फ इन ठेकेदारों की मदद करना है। इससे मार राजस्थान के आम उपभोक्ताओं को पड़ेगी। खनन के ऊपर लागू पेनल्टी में भी जनता का ही नुकसान है।

चौधरी ने हनुमान बेनीवाल से सवाल करते हुए पूछा कि जब वो गठबंधन की सरकार में सांसद थे तब मौन क्यों खड़े थे ? जनता की आवाज़ संसद तक क्यों नहीं पहुंचाई? 13 प्रकार के टैक्स के खिलाफ एक भी शब्द क्यों नहीं बोला ? चौधरी ने कहा कि राजस्थान की जनता को सस्ती बजरी कानून और नियम में परिवर्तन से ही मिलेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से एक नई पॉलिसी बनाने की मांग की और यह भी कहा कि राजस्थान सरकार राज्य में छोटे लीज़धारक को बढ़ावा देगी और उनको संरक्षण का भी प्रावधान बनाएगी। उन्होंने देश और राजस्थान के संपूर्ण किसानों को नॉन-कमर्शियल ट्रैक्टर के अधिकार की भी मांग की, और कहा कि इससे किसान आर्थिक रूप से सफल होंगे।

लाल डायरी में छिपे 500 करोड़ का धर्मेंद्र राठौड़ सामने आकर जवाब दे : देवनानी

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने मणिपुर मामले को लेकर बुधवार को कांग्रेस की और से निकाले गए पैदल मार्च पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कांग्रेस दोहरा चरित्र रखकर जनता को गुमराह और अपनी नाकामियों को छुपाने का काम कर रही हैं।

देवनानी ने कहा कि मणिपुर मामले को लेकर तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में पैदल मार्च निकाल रही लेकिन प्रदेश में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार और दुराचार की घटनाओं पर चुप्पी साध रखी हैं। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस किस मुंह से मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रही है जबकि उसके खुद के राज में प्रदेश में महिलाओं के साथ रोजाना गंभीर अपराध सामने आ रहे हैं। मणिपुर से भी कई गुना ज्यादा गंभीर प्रकृति के महिला अपराध प्रदेश में हो रहे है जिसको लेकर कांग्रेस सरकार ने अपने मुंह में दही जमा रखा है। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में प्रदेश की महिलाएं बिलकुल भी सुरक्षित नहीं है और महिला अपराध में देश में पहले पायदान पर प्रदेश है लेकिन बावजूद इसके कांग्रेस को अपनी सरकार की विफलता नजर नहीं आती। मणिपुर में राज्य और केंद्र सरकार हालातों को सामान्य करने के भरपूर प्रयास कर रही है।

■ **मणिपुर मामले पर पैदल मार्च और प्रदेश के हालात पर चुप्पी, कांग्रेस का दोहरा चरित्र**

बुधवार को भाजपा के ''नही सहेगा राजस्थान '' अभियान के अंतर्गत पत्रकार वार्ता में देवनानी ने लाल डायरी के मुद्दे पर आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ पर भी बड़ा हमला बोला और कहा कि एक सामान्य कर्मचारी नेता की पृष्ठभूमि से निकलकर इतने कम समय में राठौड़ ने इतनी संपत्ति कैसे बनाई इसका राज भी उस लाल डायरी में छुपा हुआ है जिसको लेकर कुछ दिन पहले तक उनके अपने रहे राजेंद्र गुढ़ा को विधानसभा में कांग्रेस के विधायको ने घेरकर मारपीट की। देवनानी ने कहा कि गुढ़ा ने राठौड़ का नाम लेकर कहा कि ईडी और आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान उनकी बिल्डिंग से गुढ़ा सीएम के कहने पर वो लाल डायरी गायब कर ले आए थे। ऐसे में धर्मेंद्र राठौड़ को सबके सामने आकर इस लाल डायरी का सच बताना चाहिए जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। देवनानी ने कहा कि इसी लाल डायरी में 500 करोड़ रुपए का घोटाला है जिसका सहारा लेकर सीएम के खास धर्मेंद्र राठौड़ ने सरकार के संकट के समय बाड़ेबंदी के दौरान विधायकों की खरीद फरोख्त, राज्यसभा चुनाव के दौरान विधायकों को आर्थिक प्रलोभन और विरोधियों की जुबान बंद रखने के लिए ब्लैक मनी का इस्तेमाल किया था जिसका लेखा जोखा उस लाल डायरी में छुपा हुआ है।

देवनानी ने कहा कि इन्ही सब मुद्दों को लेकर भाजपा 1 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस सरकार को 9 मुद्दों पर जयपुर में सचिवालय का महाघराव करेगी। जिसमे भ्रष्टाचार,कानून व्यवस्था, बेरोजगार युवाओं के साथ पेपर लीक के जरिए ठगी, किसानों से किए झूठे वादे, महिला सुरक्षा, किसानों से कर्ज माफी का वादा ,दलित आदिवासियों का अपमान, तुष्टीकरण आदि मुख्य मुद्दे होंगे। प्रेस वार्ता के दौरान देवनानी ने प्रतीकात्मक लाल डायरी को लहराया और कहा कि अजमेर जिले में भी भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। अजमेर स्मार्ट सिटी और एलिवेटेड रोड में हुए भ्रष्टाचार का पर्दा भी खुल सकता है। देवनानी ने बताया कि भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर उन्होंने केंद्रीय शायरी आवासन मंत्री हरदीप सिंह पुरी को इन कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार की गत वर्ष शिकायत की थी और इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया था। देवनानी ने बिजली तंत्र की बदहाली का जिक्र किया।

इस मौके पर शहर अध्यक्ष रमेश सोनी ने एक अगस्त को नहीं सहेगा राजस्थान के तहत जयपुर सचिवालय के महा घेराव के लेकर कहा कि अजमेर शहर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जयपुर कूच करेंगे और इसकी तैयारियों को लेकर मंडल स्तर पर बैठकें की जा रही है। हर वार्ड और शक्ति केंद्र से एक बस भरकर जयपुर रवाना होगी और सरकार की विदाई में भागीदारी निभायेगी। प्रेस वार्ता में देवनानी के साथ शहर जिला अध्यक्ष रमेश सोनी, महापौर ब्रजलता हाडा, पूर्व महापौर धमेन्द्र गहलोत, मिडिया प्रभारी अनीश मोयल, राजेश घाटे, रचित कच्छावा, गजेन्द्र शर्मा आदि मौजूद थे।

राजेन्द्र गुढ़ा ने सी.एम. समेत कई कांग्रेस मंत्रियों पर दुष्कर्म के आरोप लगाए थे, जवाब नहीं आना, मतलब दाल में काला : सी.पी. जोशी

'धुंआ वहीं से उठता है जहां आग होती है, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा का बयान गलत तो नार्को टेस्ट से क्या परेशानी'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित भाजपा किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष चम्पालाल गैदर के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों से बात करते हुए सी.पी.जोशी ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। जोशी ने कहा राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा आरोप लगा रहे है कि इस सरकार मे मुख्यमंत्री से लेकर सारे मंत्री दुष्कर्म में शामिल है, और मांग कर रहे है कि सभी का नार्को टेस्ट हो। पूर्व मंत्री के आरोप पर सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आना, उनकी बात को सही साबित करता है। मुख्यमंत्री को सभी का नार्को टेस्ट करवाना चाहिए, अगर नहीं करवाते है तो आरोप सही हैं, क्योंकि धुंआ वही से उठता है, जहां आग होती है।

■ **मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बयानों के कारण ही अपराधियों के हौंसले बुलंद, राजस्थान हो रहा है शर्मसार : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष**

■ **'राजस्थान में महिलाओं के प्रति सरकार संवेदनहीन, अपराधियों में भय समाप्त, जनता असुरक्षित'**

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा महिला अपराध पर गहलोत सरकार का दौहरा रवैया है। विधानसभा में महिला अपराध और बलात्कार की घटनाओं पर अपनी ही सरकार को घेरने वाले एक मंत्री को रातों रात मंत्री पद से हटा दिया जाता है। दूसरी तरफ बलात्कार की घटनाओं पर राजस्थान को मर्दों का प्रदेश कहने वाले मंत्री पर कोई एक्शन नहीं लेते।

सी.पी.जोशी ने कहा गहलोत सरकार ने पिछले साढें चार सालों में प्रदेश को कलंकित करने का ही काम किया है। हर जगह महिलाओं बच्चियों के साथ दुष्कर्म कर उन्हे मारने, जलाने और कुएं में फेंकने जैसी ह्रदय विदारक घटनाएं हो रही है। महिलाएं और बच्चियां घर, बाहर, ऑफिस, अस्पताल, एंबुलेंस, आईसीयू, स्कूल कहीं पर भी सुरक्षित नहीं है। लेकिन मुख्यमंत्री जी दुष्कर्म की 65 प्रतिशत घटनाओं को फर्जी बताते है। रणथम्भौर में मूक बधिर बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसे सड़क पर फेंक दिया गया, सरकार ने उसे घटना करार दिया, क्योंकि उस समय प्रियंका गांधी वहां पर अपना जन्मदिन मना रही थी, अलवर में बाइक पर जा रहे पति पत्नी को रोककर पति के सामने पत्नी का सामूहिक बलात्कर होता है, लेकिन सरकार ने लोकसभा चुनाव के कारण मामला दबाए रखा।

मुख्यमंत्री और इनके मंत्रियों द्वारा दिए गए बयानों से लगता है जैसे महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनहीन है और अपराधियों में भय समाप्त हो गया। प्रदेश की जनता असुरक्षित और डरी हुई है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने विपक्ष द्वारा केन्द्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कहा कि मोदी जी ने नौ सालो में जनता का विश्वास जीता है, विपक्ष को तकलीफ है क्योंकी गरीब मां का बेटा प्रधानमंत्री बना, कश्मीर से धारा 370 हटाई गई इससे तकलीफ है, प्रधानमंत्री की अगुवाई में श्रीराम मंदिर की नींव रखी गई इससे तकलीफ है, गरीब कल्याण के लिए 60 सालों में जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई वह मोदी जी ने नौ सालो में कर दिखाया इससे तकलीफ है। सीपी जोशी ने कहा जनता सब जान चुकी है, कि सारे दल एक साथ क्यों इकट्ठे हुए है, भारत तेरे टुकडे होंगे कहने वालो के साथ कौन खड़ा हुआ है, ये वही लोग है जिन्होंने महाराणा प्रताप को भगोडा और अकबर को महान बताया था।

10 लाख के पाइप चोरी कर ले गए बदमाश

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा पोलो ग्राउण्ड के समीप एक फर्म द्वारा पाइप लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। बारिश के चलते तीन दिन तक काम नहीं हो पाया। इस बीच अज्ञात चोर वहां मौके पर रखे दस लाख कीमत के पाइप चुरा ले गए। घटना के संबंध में एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज करवाया गया।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि रामपुरा भाटियान मथानिया निवासी नैनाराम पुत्र दुर्गाराम देवासी और श्रवण पुत्र रामस्वरूप दोनों एक निजी फर्म के लिए कार्य करते है। फर्म पाइप लाइन बिछाने का कार्य करती है। फर्म का कार्य इन दिनों पोलो ग्राउण्ड रातानाडा पुलिस लाइन के सामने चल रहा है। 13 जुलाई को फर्म की तरफ से वहां पर 250 एमएम और 275 एमएम के पाइपों का रखवाया गया था। पाइप की क्वालिटी आदि को सहायक अभियंता द्वारा भी देखा गया था।

घग्घर नदी का बंधा टूटने से 500 बीघा में धान की फसल डूबी

गांव 56 जीबी के निकट नरमे की फसल को नुकसान हुआ

श्रीगंगानगर, (निसं)। गांव अमरपुरा जाटान व भैरूपुरा सिलवानी के बीच घग्घर नदी के बंधा टूटने से 500 बीघा में धान की फसल डूब गई। भैरूपुरा सिलवानी के पूर्व सरपंच मुखराम खिलेरी ने बताया सोमवार रात्रि साढ़े 12 बजे भैरोसिंह राठौड़ के खेत में गांव अमरपुरा जाटान व भैरूपुरा सिलवानी के बीच घग्घर नदी के तटबंध में गांव की दूसरी साइड किसानों खेतों में बंधा टूटने से 50 फुट का लंबा कटाव आ गया। देखते देखते ही 500 बीघा धान की फसल पानी में डूब गई। करीब 400 किसानों ने मौके पर पहुंचकर मंगलवार सुबह 6:30 बजे तक करीब 5 हजार मिट्टी के बैग लगवाकर कटाव को बांध दिया।

अनूपगढ़ सड़क की तरफ दो जगह पानी का रिसाव हो जाने के कारण 10 बीघा भूमि जलमग्न हो गई। पूर्व विधायक गंगाजल मील ने किसानों के साथ बंधों का निरीक्षण किया और प्रशासन से हर संभव मदद का भी भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने बताया कि बंधों के टूटने पर प्रशासन द्वारा खाली सीमेंट के बैग के अलावा कोई सहायता उपलब्ध नहीं करवाई। वीडीओ अखिलेश पाठक व पुलिसकर्मियों के अलावा अधिकारी व कर्मचारी किसानों की मदद के लिए आगे नहीं आए। हालांकि बड़े अधिकारी घग्घर नदी का निरीक्षण करते नजर आए। सूरतगढ़ घग्घर नदी में ढाई दशक बाद आए पानी ने नाली बैड के आसपास बसे लोगों व किसानों की नींद उड़ा रखी है। वहीं, ओटू हैड व नाली बैड में पानी की मात्रा घटने से किसानों के साथ प्रशासन ने एकबारगी राहत की सांस ली है। तो दूसरी ओर बहाव क्षेत्र में किसानों के खेतों में बने बंधों के टूटने का सिलसिला लगातार जारी है।

जल संसाधन खंड के एईएन पारस गर्ग ने बताया कि सोमवार को ओटू हैड से 34150 व नाली बैड में 6650 क्यूसेक पानी प्रवाह हो रहा था, कि मंगलवार को ओटू से 32175 व नाली बैड में 6251 क्यूसेक पानी प्रवाह हो रहा है। हालांकि प्रशासन, पुलिस प्रशासन, विभागीय अधिकारी, किसान व नगरपालिका अधिकारी घग्घर नदी में पानी की आवक को देखते हुए लगातार संवेदनशील पुलों व बंधों पर जाकर उनको मजबूर करवाने व 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। संवेदनशील बंधों पर क्यूआरटी, पुलिस, पालिका, राजस्व व पंचायत समिति के कर्मचारी चौकसी कर रहे हैं। रंगमहल में 2 दिन पूर्व गांव के निकट बने बंधे के टूटने की संभावना को देखते हुए प्रशासन की अपील पर गांव के लोग पलायन कर गए थे, कि मंगलवार को वापस घरों को लौटने लगे हैं। एडीएम अरविंद जाखड़ ने बताया कि रंगमहल के लोगों ने 3 दिन की कड़ी मेहनत के बाद सरपंच विजयसिंह ताखर के नेतृत्व में व प्रशासन के सहयोग से बंधे को पूरी तरह से मजबूत कर लिया है।

■ **नाली बैड में 28 साल बाद 6251 क्यूसेक पानी की आवक से चिंता बढ़ी**

श्रीगुरुद्वारा सिंहसभा के सेवादार हरपाल सिंह, कालासिंह, राजविंद्र सिंह व जसमीत रंगमहल के निकट धोरों पर बैठे लोगों को 2 दिन से लंगर खिला रहे हैं, तो यूथ फाउंडेशन के विजय अरोड़ा, रवि रामगढिया व भूपेंद्र ने चाय-नाश्ता और मारवाड़ी युवा मंच के नितेश सोमानी, महेंद्र बैद, राधेश्याम शर्मा, आशीष मूंदड़ा व मुकेश स्वामी पानी के कैंपर, तिरपाल व तंबू लगाने के लिए प्रशासन की अपील पर बांस उपलब्ध करवाए हैं। 22 जीबी गांव के पास से गुजर रही घग्घर नदी का पानी दो दिनों से उफान पर है। जहां बांध कमजोर है वहां पर खतरा मंडरा रहा है। मंगलवार सुबह 8 बजे 22 जीबी के पास उतर दिशा में खेतों में बना बंधा अचानक टूट गया और उसी समय बारिश शुरू हो गई। रिमझिम बारिश में ही किसानों ने अपने स्तर पर टूटे बंधे को पाटना शुरू कर 2 घंटे की मशक्कत के बाद पाट दिया। प्रशासन को सूचना मिलने पर 2 पोकलेन मशीन मंगवाई और कुछ देर बाद मशीनों की सहायता से टूटे बांध को मजबूत कर दिया। इससे पहले किसानों ने अपने स्तर पर बांध को पाट दिया जिससे राहत मिली। बांध टूटने से करीब एक मुरब्बा से अधिक नरमे की खड़ी फसल में पानी घुस गया।

श्रीविजयनगर से एसडीएम भारती फूलकर, विकास अधिकारी हेम सिंह, तहसीलदार विवेक चौधरी सहित पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। रामसिंहपुर। गांव 56 व 61 जीबी के बीच सोमवार रात्रि 2 जगह बहाव क्षेत्र में किसानों के बंधे टूट गए। इससे करीब 5 मुरब्बों में पानी फैल गया। गांव 56 जीबी के निकट नरमे की फसल को नुकसान हुआ। मंगलवार शाम घग्घर का पानी 56 जीबी गांव के अंतिम बांध से टकरा गया था। आशंका जताई जा रही थी कि पीछे से पानी की मात्रा बढ़ती तो गांव को खतरा हो सकता है। सरपंच भगवान सिंह, गुरविंद्र सिंह व लालचंद ने बताया कि रात्रि करीब 3 बजे कटाव शुरू हुआ था, हालांकि गांव के लोग उस समय मौजूद थे।

लेकिन संख्या कम होने से वे कटाव को रोक नहीं सके और वह बढ़ता गया। सुबह तक पानी गांव के नजदीक पहुंच गया। सूचना पाकर अनूपगढ़ तहसीलदार राजेंद्र चौधरी, एसएचओ दोलाराम, गिरदावर व पटवारी आदि मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को खाली थैले उपलब्ध करवाए। श्रीविजयनगर क्षेत्र में चक 9, 13 जीबी, 11 जोइयांवाली व 10 सरकारी सहित घग्घर क्षेत्र का पूर्व विधायक सोना देवी बावरी ने दौरा किया। चक 13 जीबी में जेसीबी मशीनों की सहायता से घग्घर के बंधों को मजबूत किया जा रहा है। पूर्व विधायक ने मौके पर एसडीएम भारती फूलफकड़, तहसीलदार विवेक चौधरी व पुलिस अधिकारियों को मौके पर बुलाया और किसानों से सहयोग करने की अपील की। इस मौके पूर्व सरपंच अरविंद बिश्नोई, बुधराम बिश्नोई, सरपंच जगराज सिंह ढि ल्लों, श्रीराम बावरी, पलविंद्र सिंह, रामविलास बिश्नोई, काला सिंह, दशरथ बिश्नोई, मनप्रीत सिंह, कुलदीप सिंह, लवप्रीत सिंह, गुरविंद्र सिंह, पम्मा सिंह, बूटा सिंह सहित किसान उपस्थित थे।

घग्घर नदी के बहाव में टूटे बंधे

अनूपगढ, (निसं)। यहां गांव 75 जीबी में घग्घर नदी का बंधे टूट जाने के कारण नदी का पानी ढ ाणियों तक पहुंच गया था। ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना प्रशासन को दी गई थी। मगर प्रशासन के द्वारा कोई भी उचित कदम नहीं उठाए जाने पर ग्रामीण खुद के स्तर पर ही जेसीबी मंगवा कर बंधे को सही करवा रहे थे। जिस पर गांव वालों ने इसकी सूचना विधायक को दी। जिस पर विधायक संतोष बावरी मौके पर पहुंची। जहां मौके पर एसडीएम प्रियंका तलानिया भी मौजूद थीं। ग्रामीणों के द्वारा खुद के खर्च पर बंधे सही करवाने पर विधायक संतोष बावरी ने एसडीएम को जमकर फटकार लगाई। इस बीच एसडीएम और विधायक के बीच बहस हो गई। बहस के समय मौके पर तहसीलदार,गिरदावर,पटवारी और काफी ग्रामीण भी मौजूद थे।

विधायक संतोष बावरी ने कहा कि मौके पर जाकर देखा तो किसान बेबस नजर आ रहे थे और प्रशासन के द्वारा किसानों की राहत पहुंचाने के लिए कोई भी कार्य नहीं किया जा रहा था। टूटे हुए बांध को सही करने के लिए जो जेसीबी मंगवाई गई थी। वह जेसीबी किसान ने खुद अपने खर्चे पर मंगवाई थी। जबकि किसान काफी गरीब है और वह इस खर्च को वहन नहीं कर सकता था,फिर भी प्रशासन ने किसान की ओर ध्यान नहीं दिया इससे प्रशासन की लापरवाही सामने आ रही है। एसडीएम प्रियंका तलानिया ने बताया कि मौके पर जो बांध टूटा था। उसे सही कर दिया गया है और अन्य बन्धो को मजबूत करवाया जा रहा है।

पाकिस्तान की सीमा में घुसा पानी

इंटेक स्ट्रक्चर के 10 गेट बंद किए

हनुमानगढ़, (निसं)। घग्घर नदी में पानी का प्रवाह घटने पर इंदिरा गांधी नहर में कट निकालकर खोले गए इंटेक स्ट्रक्चर के सभी दस गेट बुधवार को बंद कर दिए गए।

घग्घर नदी में धीरे-धीरे पानी का प्रवाह कम हो रहा है। इससे बाढ़ का खतरा भी कुछ कम हो गया है। हालांकि प्रशासन अभी भी सतर्कता बरत रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में किसान और शहरी क्षेत्र में सामाजिक और राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोग बांधों की निगरानी में लगे हुए हैं। इंदिरा गांधी नहर में कट निकालकर खोले गए इंटेक स्ट्रक्चर के सभी दस गेट बुधवार को बंद कर दिए गए। वहीं, घग्घर नदी का पानी श्रीगंगानगर जिले को पार कर पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश कर गया है। मानसून सीजन के चलते अभी जिला प्रशासन की ओर से सतर्कता बरती जा रही है, जिससे पानी का फ्लो बढ़ने पर दोबारा बाढ़ के हालात पैदा न हों।

ओटू हेड से राजस्थान की ओर रिलीज किए जा रहे पानी की मात्रा बुधवार को भी कम हुई। इससे जिला प्रशासन के साथ घग्घर बहाव क्षेत्र के नागरिकों ने राहत की सांस ली है। उधर, पंजाब-हरियाणा में भारी बारिश के बाद हनुमानगढ़ जिले में घग्घर में पैदा हुए बाढ़ के खतरे को दूर करने के लिए आरडी 629 पर इंदिरा गांधी नहर में कट निकालकर खोले गए इंटेक स्ट्रक्चर के सभी दस गेट बुधवार को बंद कर दिए गए। इन सभी दस गेटों को खोलकर पानी को इंदिरा गांधी नहर में डाला गया था।

■ **घग्घर नदी में धीरे-धीरे पानी का प्रवाह कम हो रहा है। इससे बाढ़ का खतरा भी कुछ कम हो गया है**

शाम तक तीन गेट बंद करवाए गए, जबकि बुधवार को दोपहर तक शेष सातों गेट भी बंद करवा दिए गए। घग्घर में पानी घटने पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की ओर से सभी गेट बंद करवाए गए हैं। घग्घर के पानी का प्रबंधन करने में यह गेट काफी अहम रहे थे। इंटेक स्ट्रक्चर का निर्माण होने के बाद इतिहास में पहली बार इन गेटों को खोला गया था। इन गेटों को खोलने से सेमनाला और घग्घर नाली बेड पर पानी का दबाव कम होने से जिले में बाढ़ के खतरे को टाला जा सका। बुधवार को घग्घर नदी का पानी श्रीगंगानगर जिले को पार कर पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश कर गया।